राजस्थान–सरकार

प्रतिवेदन संख्या 105 | कार्यालय उपयोग हेतु

रबी 2006–07 में
मिनिकिट वितरण से
'' स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम ''
पर विशेष अध्ययन सर्वेक्षण प्रतिवेदन

सितम्बर, 2007

प्रबोधन एवं मूल्यांकन शाखा, पंत कृषि भवन,
कृषि निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

<u>प्राक्क्थन</u>

प्रबोधन एवं मूल्यांकन शाखा द्वारा रबी 2006–07 में मिनिकिट वितरण से " **स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम** "पर विशेष अध्ययन सर्वेक्षण सम्पादित करवाया गया है । प्रकाशन की संख्या में यह 105 वां प्रतिवेदन है । अध्ययन में कृषकों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर मिनिकिट बीज से स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कर, बीज उपज को भविष्य में स्वंय एवं अन्य कृषकों के खेतो पर बुवाई के काम में लेने हेतु प्रेरित कर के अनुसरण का अध्ययन किया गया है ।

मै आशा करता हूं कि यह प्रतिवेदन प्रबधकों एवं विभागीय अधिकारियों हेतु भविष्य में मिनिकिट कार्यक्रम को अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने में उपयोगी सिद्व होगा ।

(मनोज शर्मा)
आयुक्त कृषि,
राजस्थान, जयपुर

रबी 2006–07 में मिनिकिट से ''स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम '' का मूल्यांकन सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष

1. रबी 2006–07 में स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय बीज निगम एवं भारतीय राज्य फार्म निगम द्वारा विभिन्न फसलों में क्रमशः सरसों के 251293, मसूर के 7000, मटर के 4150, चने के 36010 एवं मक्का के 10000, कुल 308453 मिनिकिट उपलब्ध कराये गये, जिसका लाभार्थियों को वितरित किये गये ।

2. कुल 2701 मिनिकिट लाभार्थि कृषकों का चयन किया गया। लाभान्वित कृषकों में सरसों के 2265 (84 प्रतिशत), चने के 284 (11 प्रतिशत), मटर के 90 (3 प्रतिशत,) एवं मसूर के 62 (2 प्रतिशत) फसलों के मिनिकिटों का चयन किया गया ।

3. लाभान्वित कृषकों में 38 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 24 प्रतिशत अनुसूचित जन जाति, 28 प्रतिशत अन्य पिछडा वर्ग एवं 10 प्रतिशत सामान्य श्रेणी के कृषक का चयन होना पाया गया ।

4. सर्वेक्षण के अनुसार 42 प्रतिशत लधु, 35 प्रतिशत सीमान्त एवं 23 प्रतिशत अन्य कृषकों को वितरित किये गये ।

5. सर्वेक्षण अनुसार लाभान्वित कृषकों के पास ओसत कृषि भूमि 1.82 हैक्टर पायी गयी एवं ओसतन सिंचित क्षेत्र 71 प्रतिशत पाया गया ।

6. 2660 (98 प्रतिशत) कृषकों को मिनिकिट प्राप्त हुए, जिनमें से सबसे अधिक 1973 (73 प्रतिशत) मिनिकिट अक्टूबर माह में कृषकों को प्राप्त होना पाया गया ।

7 प्राप्त सरसों मिनिकिट 2265 मिनिकिटों में से 2227 (98 प्रतिशत) एवं चने फसल के 284 मिनिकिटों में से 281 (99 प्रतिशत) कृषकों को प्राप्त हुए ।

8. कुल 41 (2प्रतिशत) मिनिकिट प्राप्त नहीं हुए जिनमे से 38 सरसों मिनिकिट भीलवाडा, कोटा, भरतपुर, एवं उदयपुर खण्ड में क्रमशः 8, 15, 13, एवं 2 रहे, चने फसल के 3 मिनिकिट भीलवाडा एवं भरतपुर खण्ड में क्रमशः 1 एवं 2 रहे ।

9 2582 (97 प्रतिशत) कृषकों द्वारा ही प्राप्त मिनिकिट के बीज को बोया गया शेष 78 (3 प्रतिशत) मिनिकिट बीज उपलब्ध नहीं होना बताया गया ।

10 1386 (54 प्रतिशत) कृषकों को प्राप्त बीज मिनिकिट का अंकुरण अच्छा रहा एवं 883 (34 प्रतिशत) के यहां पर अंकुरण सामान्य पाया गया ।

11 2660 (98 प्रतिशत) प्राप्त मिनिकिट कृषकों में से स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल 1655(62 प्रतिशत) कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया।

12 प्रशिक्षण के दौरान 1400 (84 प्रतिशत) कृषकों को बीज उत्पादन सम्बन्धी साहित्य/पम्पलेट उपलब्ध कराया गया, प्रशिक्षण के दोरान केवल 916 (55 प्रतिशत) कृषकों की परीक्षा ली गई एवं 865 (49 प्रतिशत) कृषकों को अच्छा सीखने पर प्रशिक्षण के अन्त में पुरस्कार दिया गया ।

13 केवल 790 (30 प्रतिशत) कृषकों को तकनीकी की जानकारी उपलब्ध थी एवं इनमें से 616 (78 प्रतिशत) कृषकों द्वारा इस विधि को अपनाया गया ।

14 2018 (76 प्रतिशत) कृषकों को खरपतवार एवं रोगी पौधों को निकालने की विधि की जानकारी पायी गई, जिनमें से 1732 (86 प्रतिशत) कृषकों द्वारा इस विधि को अपनाया गया ।

15 1635 (61 प्रतिशत) कृषकों को कटाई पूर्व सुनिश्चित करना कि खेत में मिनिकिट की किस्म के अलावा अन्य पौधे नहीं होने चाहिये की जानकारी थी जिनमें से 84 प्रतिशत कृषकों द्वारा इस जानकारी का उपयोग किया गया ।

16 2070 (78 प्रतिशत) कृषकों को को कटाई–गहाई के समय थ्रेसर व खलिहान को अच्छी तरह सफाई करने की विधि की जानकारी पाई गई, जिनमें 1841 (89 प्रतिशत) कृषकों को उपरोक्त विधि की जानकारी को कार्य में लिया गया ।

17 1888 (71 प्रतिशत) कृषकों को मिनिकिट बीज की उपज के अलग से कटाई–गहाई करने की जानकारी पाई गई एवं जिनमें से 1567 (83 प्रतिशत) कृषकों द्वारा कटाई गहाई अलग से किया जाना पाया गया ।

18 1679 (63 प्रतिशत) कृषकों प्राप्त मिनिकिट की उपज बीज को सुरक्षित भण्डार में रखने की जानकारी थी उनमें से केवल 1074 (64 प्रतिशत) कृषकों द्वारा ही उपज को अलग से रखने की विधि को अपनाया गया ।

19 कुल बोये गये 2582 मिनिकिट में से 1054 (41 प्रतिशत) बीज मिनिकिट कृषकों द्वारा मिनिकिट से उपज को आगामी वर्ष में बुवाई हेतु कार्य में लिया जावेगा, जिनमें से 777(74 प्रतिशत) कृषकों द्वारा अन्य कृषकों को बीज उपलब्ध करवाया जावेगा ।

20 277 (26 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बीज अन्य कृषकों को उपलब्ध नही कराया जावेगा।

1—प्रस्तावनाः—

रबी 2006—07 में एक नया कार्यक्रम शुरू किया गया जिसके अन्तर्गत मिनिकिटस लाभान्वित बीज उत्पादक कृषकों को "स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम" लिया गया जिसमें चयनित कृषकों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर बीज उत्पादन की समुचित जानकारी उपलब्ध करवाकर आगामी वर्षो में अपनी—अपनी उत्पादन को अपने स्वंय के खेत पर एवं साथी कृषकों को बीज उपलब्ध करवाकर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि करने हेतु प्रेरित किया जावे ।

2—कार्यक्रमः—

I- रबी 2006—07 में कुल 308453 बीज मिनिकिटस रबी फसलों के राष्ट्रीय बीज निगम एवं भारतीय राज्य फार्म निगम के द्वारा वितरित किए गए।

अ— सरसों 2 किलों के 0.5 हैक्टर हेतु, 251293 मिनिकिट वितरित किए गए किस्मवार विवरण निम्नानुसार हैः—

क्रमांक 1	बीज मिनिकिटस की किस्म 2	मिनिकिटस संख्या 3
1.	लक्ष्मी	87000
2.	सीएस—52	11137
3.	अरावली	38400
4.	जगन्नाथ	40000
5.	वसुन्धरा	15000
6.	पीसीआर—7	15000
7.	स्वर्णज्योति	10400
8.	अन्य	34896
	योग	251293

ब–	चने 8 किलों के 0.1 हैक्टर हेतु, 36010 मिनिकिट वितरित किए गए किस्मवार विवरण निम्नानुसार हैः–

क्रमांक	बीज मिनिकिटस की किस्म	मिनिकिटस संख्या
1	2	3
1	आरएसजी–888	7000
2	आरएसजी–931	10000
3	आरएसजी–963	10
4	आरएसजी–469	7500
5	जीएनजी–469	15600
6	जीएनजी–1292	4900
	योग	36010

स– मसूर 4 किलो के 0.2 हैक्टर हेतु, 7000 मिनिकिट वितरित किए गए किस्मवार विवरण निम्नानुसार है

क्रमांक	बीज मिनिकिटस की किस्म 5	मिनिकिटस संख्या 6
1.	डीपीएल–62 व अन्य	7000

द–	मटर 8 किलों के 0.1 हैक्टर हेतु, 4150 मिनिकिट वितरित किए गए किस्मवार विवरण निम्नानुसार है

क्रमांक	बीज मिनिकिटस की किस्म 5	मिनिकिटस संख्या 6
1.	डीडीआर–27	451
2.	जया	3750
	कुल योग	4150

य– मक्का 2 किलोग्राम के 10000. मिनिकिट वितरित किए गए किस्मवार विवरण निम्नानुसार है

क्रमांक	बीज मिनिकिटस की किस्म 5	मिनिकिटस संख्या 6
1.	बायो–9637	10000

II-प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत दो प्रशिक्षण आयोजित किये जाने थे । प्रशिक्षण का दायित्व उप निदेशक कृषि(विस्तार) एवं सहायक निदेशक कृषि(विस्तार) पर था। एक दिवसीय प्रशिक्षको का प्रशिक्षण (कृषि पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण) दूसरा प्रशिक्षण कृषकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण। इन प्रशिक्षणों में कृषि अनुसंधान, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं एटीसी के वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीज उत्पादन संबंधी तकनीकी साहित्य छपवाकर उपलब्ध करवाया गया । प्रशिक्षण में बीज उत्पादन की तकनीकी जैसे पृथककरण, खरपतवार नियंत्रण, रोगिग फसल कटाई, गहाई एवं भंडारण आदि के विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई ।

3–विशेष अध्ययन के उद्देश्य :–

1 रबी 2006–07 में मिनिकिट कार्यक्रम क्रियान्वयन का मूल्यांकन ।

2. आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ ।

3. मिनिकिट से स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम का लाभ

4. कृषकों की राय ।

4–लाभान्वित कृषकों का चयन :–

रबी 2006–07 में कृषकों को बीज उत्पादक कृषकों के रूप में प्रशिक्षित करने एवं स्वंय के उपयोग बीज उत्पादन करने के लिये कुल 308453 फसल बीज मिनिकिटों को

वितरण किया गया । 10 हजार वितरित मिनिकिट संकर मक्का किस्म के थे, अतः उनका बीज उत्पादन कार्यक्रम नही लिये जा सकने के कारण उनको चयन एवं सर्वेक्षण में सम्मिलित नही किया गया।

प्रत्येक उप जिलें पर 6 सहायक कृषि अधिकारी क्षेत्र का चयन रेन्डम विधि से किया गया । प्रत्येक चयनित सहायक कृषि अधिकारी के क्षेत्र में रेन्डम विधि से एक कृषि पर्यवेक्षक का चयन किया गया । प्रत्येक चयनित कृषि पर्यवेक्षक क्षेत्र एक पंचायत से 10 लाभान्वित कृषकों का चयन किया गया । अगर चयनित कृषि पर्यवेक्षक क्षेत्र में एक से अधिक पंचायत है तो रेन्डम विधि से एक पंचायत का चयन किया गया ।

सर्वेक्षण कार्य उप जिलों में पदस्थापित कृषि अन्वेषक द्वारा किया गया । सर्वेक्षण कार्य जैसलमेर एवं बाडमेर में कृषि पर्यवेक्षक नहीं होने के कारण एवं अन्य 9 जगह पद रिक्त होने के कारण सर्वेक्षण कार्य नहीं किया गया ।

रबी 2006–07 में सर्वेक्षण हेतु 2701 कृषकों का चयन किया गया । रबी 2006–07 में मिनिकिट से स्वंय के खेत पर बीज उत्पादन कार्यक्रम का मूल्यांकन सर्वेक्षण का जिलेवार एवं मिनिकिट का चयन निम्नानुसार रहा है :–

क्र.सं.	जिला	सेम्पल साइज	वितरित मिनिकिट की फसल			
			सरसों	मसूर	चना	मटर
1	अजमेर	97	86	1	0	10
2	जयपुर	158	105	15	16	22
3	भीलवाडा	169	159	6	4	0
4	चित्तौडगढ	170	151	4	13	2
5	राजसमन्द	161	134	2	20	5
6	नागौर	120	108	4	5	3
7	जोधपुर	31	31	0	0	0
8	कोटा	49	34	4	11	0
9	बंरा	105	92	3	8	2
11	टोंक	105	97	4	4	0
12	पली	180	157	4	6	13
13	जालोर	110	95	0	15	0

क्र.सं.	जिला	सेम्पल साइज	वितरित मिनिकिट की फसल			
			सरसों	मसूर	चना	मटर
14	सिरोही	60	60	0	0	0
15	सीकर	120	99	1	18	2
16	झूंन्झनू	60	56	3	0	1
17	अलवर	200	174	6	20	0
18	भरतपुर	58	45	0	12	1
19	करोली	106	89	5	10	2
20	सवाई माधोपुर	106	102	0	0	4
21	धोलपुर	48	45	0	3	0
22	श्रीगंगानगर	110	107	0	3	0
23	बांसवाडा	50	20	0	20	10
24	डूंगरपुर	114	80	0	30	4
25	उदयपुर	99	76	0	18	5
	योग	2701	2265	62	284	90

उपरोक्त तालिका से सर्वेक्षण के आंकडों से विदित होता है कि 84 प्रतिशत सरसों के, 11 प्रतिशत चने, 3 प्रतिशत मटर एवं 2 प्रतिशत मसूर के मिनिकिट वितरित किए गए ।

5–फसलवार, किस्मवार मिनिकिट वितरण

सर्वे के आधार पर कृषकों को मिनिकिटस फसलवार, किस्मवार वितरण निम्नानुसार है।

क्र.सं.	खण्ड	1. सरसों						
		वसुंधरा	स्वर्ण ज्योति	लक्ष्मी	अरावली	जगन्नाथ	अन्य	योग
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
1	जयपुर	0	27	72	39	27	26	191
2	भीलवाडा	0	11	308	70	29	26	444
3	जोधपुर	47	18	16	16	15	27	139
4	कोटा	0	9	47	91	57	82	286
5	जलोर	0	10	200	41	58	3	312
6	सीकर	0	18	42	25	29	41	155
7	भरतपुर	0	0	206	18	10	221	455
8	श्रीगंगानगर	11	2	68	8	8	10	107
9	उदयपुर	0	6	48	38	13	71	176
	कुल योग	58	101	1007	346	246	507	2265

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि चयनित कृषकों में सरसों फसल के सबसे अधिक 45 प्रतिशत लक्ष्मी किस्म के, 15 प्रतिशत अरावली किस्म के एवं सबसे कम 3 प्रतिशत वसुन्धरा किस्म कें चयनित कृषकों में मिनिकिट वितरित किए गए ।

		2. मटर					3. चना			
क्र.सं.	खण्ड	डीडी आर 27	जया	के एमपी आर 532	अन्य	योग	जी एन जी 469	आर एसजी 888	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	जयपुर	21	0	9	2	32	15	0	1	16
2	भीलवाडा	0	0	0	7	7	0	0	37	37
3	जोधपुर	0	3	0	0	3	4	0	1	5
4	कोटा	0	0	6	0	6	71	0	0	71
5	जालोर	0	4	0	9	13	21	0	0	21
6	सीकर	0	1	2	0	3	9	0	9	18
7	भरतपुर	0	0	0	7	7	0	0	45	45
8	श्रीगंगानगर	0	0	0	0	0	3	0	0	3
9	उदयपुर	0	10	0	9	19	27	22	19	68
	योग	21	18	17	34	90	150	22	112	284

चने फसल के सबसे अधिक 53 प्रतिशत जी.एन.जी.469, सबसे अधिक किस्म एवं 40 प्रतिशत अन्य किस्म के 7 प्रतिशत आरएसजी 888 किस्म के मिनिकिट वितरित किये गये। मटर फसल के सबसे अधिक 23 प्रतिशत डी.डी.आर.27 एवं जया किस्म के 20 प्रतिशत मिनिकिट कृषकों में वितरित किये गये ।

		4.मसूर		
क्र.सं.	खण्ड	डीपी आर 62	अन्य	योग
1	2	3	4	5
1	जयपुर	16	12	28
2	भीलवाडा	0	0	0
3	जोधपुर	4	11	15
4	कोटा	0	4	4
5	जलोर	0	0	0
6	सीकर	4	11	15
7	भरतपुर	0	0	0
8	श्रीगंगानगर	0	0	0
9	उदयपुर	0	0	0
	योग	**24**	**38**	**62**

मसूर फसल में सबसे अधिक 39 प्रतिशत डी.पी.आर. 62 प्रतिशत मिनिकिट वितरित किये गये ।

6–चयनित कृषकों की जाति :–

सर्वेक्षण के आंकडों के विश्लेषण के अनुसार चयनित कृषकों को जाति के आधार पर खण्डवार वर्गीकरण निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज	कृषक जाति			
			अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछडा वर्ग	सामान्य
1	2	3	4	5	6	7
1	जयपुर	255	107	49	73	26
2	भीलवाडा	500	220	85	121	74
3	जोधपुर	151	87	0	60	4
4	कोटा	374	147	102	103	22
5	जालोर	350	104	25	156	65
6	सीकर	180	72	11	88	9
7	भरतपुर	518	194	137	125	62
8	श्रीगंगानगर	110	88	0	18	4
9	उदयपुर	263	4	243	5	11
	योग	2701	1023	652	749	277

सर्वेक्षण के विश्लेषण के अनुसार कुल 2701 लाभान्वित कृषकों का चयन किया गया, जिनमें से अनुसूचित के 38 प्रतिशत, अनूसिचत जन जाति के 24 प्रतिशत अन्य पिछडा वर्ग के 28 प्रतिशत तथा सामान्य श्रेणी के 10 प्रतिशत चयनित कृषक थे ।

7–लाभान्वित कृषकों के पास खेती योग्य भूमि :–

सर्वेक्षण आंकडों के विश्लेषण आधार के अनुसार लाभान्वित कृषकों के पास औसत रूप से कृषि भूमि कितनी थी तथा उनमें से सिंचित, अंसिचित भूमि कितनी कितनी थी यह सर्वेक्षण में ज्ञात किया प्राप्त आंकडों का विवरण निम्नानुसार है :–

क.सं	खण्ड	सेम्पल साइज	कुल भूमि (हैक्टर में)			प्रति कषक भूमि	सिचिंत भूमि का प्रतिशत
			सिं0	अंसि0	योग		
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जयपुर	255	346	220	566.00	2.22	61
2	भीलवाडा	500	416.3	259.84	676.14	1.35	62
3	जोधपुर	151	317.17	57.34	374.51	2.48	85
4	कोटा	374	554.5	144.9	699.4	1.94	79
5	जलोर	350	520.51	304.84	825.35	2.36	63
6	सीकर	180	269.5	87.92	357.42	1.99	74
7	भरतपुर	518	580.06	129.91	709.97	1.37	82
8	श्रीगंगानगर	110	333	51	384	4.74	87
9	उदयपुर	263	152.27	170.77	323.04	1.23	47
	योग	2701	3489.31	1426.52	4915.83	1.82	71

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि जिन कृषकों को रबी में बीज मिनिकिट वितरण किया गया । उन कृषकों के पास ओसत रूप से 1.82 हैक्टर भूमि पाई गई । श्रीगंगानगर खण्ड में 4.74 हैक्टर औसत भूमि तथा सबसे कम उदयपुर खण्ड में 1.23 हैक्टर औसत भूमि पाई गई । उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि लाभान्वित कृषकों के पास उपलब्ध भूमि का 71 प्रतिशत भाग सिंचित था । श्रीगंगानगर खण्ड में 87 प्रतिशत एवं उदयपुर खण्ड में 47 प्रतिशत सिंचित भूमि थी ।

8–सिचांई का स्त्रोतः–

सर्वेक्षण के आधार पर चयनित कृषकों के पास सिंचाई का साधन निम्नानुसार हैः–

क.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज	सिंचाई के साधन				
			कुआं	नहर	तालाब	टयुबवैल	अन्य
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जयपुर	255	139	0	34	77	5
2	भीलवाडा	500	401	23	22	49	5
3	जोधपुर	151	82	0	0	69	0
4	कोटा	374	183	52	3	89	47
5	जालोर	350	300	16	0	24	10
6	सीकर	180	109	0	0	51	20
7	भरतपुर	518	155	2	0	205	156
8	श्रीगंगानगर	110	0	84	0	26	0
9	उदयपुर	263	169	53	18	4	19
	योग	2701	1538	230	77	594	262

सर्वेक्षण के विश्लेषण के आधार पर, 37 प्रतिशत कुओं द्वारा 8 प्रतिशत नहरो द्वारा 3 प्रतिशत तालाब एवं 22 प्रतिशत टयुबबेल 10 प्रतिशत के द्वारा सिंचाई के साधन उपलब्ध थे ।

9–लाभान्वित कृषकों का वर्गवार विवरण

सर्वेक्षण के आधार पर लाभान्वित कृषकों का वर्गवार विश्लेषण निम्नानुसार है ।

क.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज	कृषक वर्ग		
			लघु	सीमान्त	अन्य
1	2	3	4	5	6
1	जयपुर	255	107	87	61
2	भीलवाडा	500	224	217	59
3	जोधपुर	151	98	21	32
4	कोटा	374	174	95	105
5	जालोर	350	160	67	123
6	सीकर	180	103	32	45
7	भरतपुर	518	152	271	95
8	श्रीगंगानगर	110	20	12	78
9	उदयपुर	263	111	132	20
	योग	2701	1149	934	618

सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि 42 प्रतिशत लघु कृषक एवं 35 प्रतिशत सीमान्त एवं 23 प्रतिशत अन्य लाभान्वित कृषक थे ।

10–लाभान्वित कृषकों को मिनिकिट प्राप्त होने का माह :–

रबी 2006–07 में 2701 लाभान्वित कृषकों का चयन किया गया, जिसमें से अगस्त से दिसम्बर, 2006 माह तक (98 प्रतिशत) कृषकों को मिनिकिट प्राप्त हुये ।

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त आंकडों का विवरण निम्नानुसार है :–

क.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज	मिनिकिट प्राप्त होने का माह				
			अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जयपुर	255	0	0	193	61	1
2	भीलवाडा	491	0	0	404	77	10
3	जोधपुर	151	0	45	105	1	0
4	कोटा	359	25	0	220	112	2
5	जालोर	350	0	90	222	38	0
6	सीकर	180	0	10	135	35	0
7	भरतपुर	503	0	0	448	55	0
8	श्रीगंगानगर	110	0	0	101	9	0
9	उदयपुर	261	0	0	145	115	1
	योग	2660	25	145	1973	503	14

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि, 1 प्रतिशत मिनिकिट अगस्त में एवं 73 प्रतिशत सबसे अधिक मिनिकिट, अक्टूबर माह में, 19 प्रतिशत नवम्बर एवं 2 प्रतिशत मिनिकिट दिसम्बर माह में लाभान्वित कृषकों को मिनिकिट प्राप्त हुए । माह अगस्त में 25 (7 प्रतिशत) मिनिकिट कोटा खण्ड में कृषकों को प्राप्त हुए । वहीं 448 (89 प्रतिशत) मिनिकिट भरतपुर खण्ड में अक्टूबर में कृषकों मिनिकिट को प्राप्त हुए ।

11–फसलवार प्राप्त मिनिकिट

कुल चयनित कृषक 2701 में से 2660 (98 प्रतिशत) कृषकों को ही मिनिकिट प्राप्त हुए । सर्वेक्षण के आधार पर फसलवार प्राप्त मिनिकिटों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज	रबी 2006–07 में मिनिकिट प्राप्त हुआ	मिनिकिट प्राप्त फसल का नाम			
				सरसों	मसूर	चना	मटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जयपुर	255	255	191	16	16	32
2	भीलवाडा	500	491	436	12	36	7
3	जोधपुर	151	151	139	4	5	3
4	कोटा	374	359	271	11	71	6
5	जालोर	350	350	312	4	21	13
6	सीकर	180	180	155	4	18	3
7	भरतपुर	518	503	442	11	43	7
8	श्रीगंगानगर	110	110	107	0	3	0
9	उदयपुर	263	261	174	0	68	19
	कुल योग	2701	2660	2227	62	281	90

उपरोक्त सर्वेक्षण तालिका से विदित होता है कि सबसे अधिक 84 प्रतिशत मिनिकिट सरसों, 11 प्रतिशत चना एवं 3 प्रतिशत मटर तथा 2 प्रतिशत मसूर लाभान्वित कृषकों को मिनिकिट प्राप्त हुए । भीलवाडा खण्ड में 9 मिनिकिट, कोटा खण्ड में 15 मिनिकिट, भरतपुर खण्ड में 15 मिनिकिट व उदयपुर खण्ड में 2 चयनित कृषकों को मिनिकिट प्राप्त नहीं हुए है । सर्वेक्षण के निष्कर्षो के आधार पर कृषकों को, 98 प्रतिशत सरसों को, 99 प्रतिशत चने के एवं शत–प्रतिशत मसूंर व मटर फसल के मिनिकिट प्राप्त हुए । सरसों के 8 मिनिकिट भीलवाडा खण्ड, 15 मिनिकिट कोटा खण्ड, 13 मिनिकिट भरतपुर खण्ड एवं 2 मिनिकिट

उदयपुर खण्ड कुल 38 मिनिकिट प्राप्त नही हुए । इसी प्रकार चने के 1 मिनिकिट भीलवाडा खण्ड एवं 2 मिनिकिट भरतपुर खण्ड कुल 3 मिनिकिट प्राप्त नही हुए ।

12–चयनित लाभान्वित कृषकों द्वारा बीज मिनिकिट की बुवाई

सर्वेक्षण के विश्लेषण के आंकडों के आधार पर प्राप्त मिनिकिट व प्राप्त मिनिकिट की बुवाई के आंकडें निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	खण्ड	रबी 06–07 में मिनिकिट प्राप्त हुआ	क्या मिनिकिट में प्राप्त बीज की बुवाई की गई		यदि बुवाई नहीं की गईतो कारण				
			हां	नहीं	बीज समय से प्राप्त नहीं	आवश्यकता नहीं	संसाधन उपलब्ध नहीं	देखने पर बीज की गुणवत्ता सही नहीं	अन्य
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
1	जयपुर	255	244	11	4	0	0	0	7
2	भीलवाडा	491	465	26	8	16	0	0	2
3	जोधपुर	151	151	0	0	0	0	0	0
4	कोटा	359	344	15	14	0	0	0	1
5	जालोर	350	343	7	0	0	5	0	2
6	सीकर	180	179	1	0	0	0	0	1
7	भरतपुर	503	489	14	5	0	0	2	7
8	श्रीगंगानगर	110	110	0	0	0	0	0	0
9	उदयपुर	261	257	4	4	0	0	0	0
	कुल योग	2660	2582	78	35	16	5	2	20

उपरोक्त तालिका से विदित होता है, जिनमें से 97 प्रतिशत चयनित लाभान्वित कृषकों द्वारा मिनिकिट बीज की बुवाई की गई एवं 3 प्रतिशत चयनित लाभान्वित कृषकों को प्राप्त मिनिकिट बीज की बुवाई नहीं की गई, कृषकों द्वारा श्रीगंगानगर, सीकर खण्ड में शत प्रतिशत मिनिकिट की बुवाई की गई, जबकि भीलवाडा खण्ड में कृषकों द्वारा 95 प्रतिशत मिनिकिट बीज की बुवाई की गई ।

जिनमें से 45 प्रतिशत चयनित लाभान्वित कृषकों द्वारा प्राप्त मिनिकिट की बुवाई नहीं होने के कारण बीज समय पर प्राप्त नहीं होना बताया गया । 20 प्रतिशत लाभान्वित कृषकों द्वारा बीज मिनिकिट की आवश्यकता नहीं होना बताया गया है तथा 25 प्रतिशत अन्य कारणों के कारण एवं 7 प्रतिशत संसाधन नहीं होना, 3 प्रतिशत कृषकों द्वारा गुणवत्ता सही नहीं होना बताया गया ।

कोटा एवं उदयपुर खण्ड में करीब करीब शत प्रतिशत कृषकों द्वारा मिनिकिट समय पर नहीं होना बताया गया है, जबकि 63 प्रतिशत भीलवाडा खण्ड में मिनिकिट बीज की आवश्यकता नहीं होना बताया गया वहीं जालोर खण्ड के 71 प्रतिशत कृषकों द्वारा संसाधन उपलब्ध नहीं होना, जबकि जयपुर व भरतपुर खण्ड के 64 एवं 50 प्रतिशत कृषकों द्वारा अन्य कारणों से मिनिकिट बीज का नहीं बोना बताया गया है ।

13–मिनिकिट से प्राप्त बीज का अंकुरण

लाभान्वित कृषकों से सर्वेक्षण के दौरान मिनिकिट से प्राप्त बीज अंकुरण सम्बन्ध में जानकारी निम्न तालिका में दर्शायी गई है ।

क्र.सं.	खण्ड	सेम्पल साइज प्राप्त बीज मनिकिट	मिनिकिट सें प्राप्त बीज का अंकुरण कैसा रहा			
			सामान्य	अच्छा	समान्य से कम	बहुत कम
1	2	3	4	5	6	7
1	जयपुर	244	63	145	28	8
2	भीलवाडा	465	131	294	30	10
3	जोधपुर	151	47	100	4	0
4	कोटा	344	142	124	41	37
5	जालोर	343	135	186	17	5
6	सीकर	179	61	98	18	2
7	भरतपुर	489	192	200	57	40
8	श्रीगंगानगर	110	10	98	2	0
9	उदयपुर	257	102	141	14	0
	कुल योग	2582	883	1386	211	102

2552 कृषकों द्वारा सर्वे अनुसार 54 प्रतिशत लाभान्वित कृषको का बीज का अनुकरण अच्छा रहा,34 प्रतिशत लाभान्वित कृषकों के बीज का अंकुरण सामान्य 211 लाभान्वित कृषकों का अंकुरण सामान्य रूप से कम तथा 4 प्रतिशत लाभान्वित कृषकों के बीज का अंकुरण बहुत कम रहा । 8 प्रतिशत भरतपर खण्ड में लाभान्वित कृषकों के बीज का अंकुरण बहुत कम रहा है ।

14–लाभान्वित कृषकों को प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान साहित्य वितरण आदि

चयनित लाभान्वित कृषकों को प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान साहित्य, पम्पलेटस, का सर्वेक्षण के विश्लेषण आधार पर विवरण खण्डवार निम्नानुसार है :–

क.सं.	खण्ड	रबी 06–07 में मिनिकिट प्राप्त	क्या मिनिकिट से स्वंय के द्वारा बीज उत्पादन हेतु आपको प्रशिक्षण दिया गया	यदि हां तो		
				क्या आपको प्रशिक्षण के दौरान बीज उत्पादन संबधी साहित्य / पम्पलेट उपलब्ध कराया गया	प्रशिक्षण के दोरान आप द्वारा जो सीखा गया क्या उसकी परीक्षा ली गई	प्रशिक्षण के अंत में क्या किन्ही कृषकों को अच्छा सीखने हेतु पुरस्कार दिया गया
1	2	3	4	5	6	7
1	जयपुर	255	145	95	82	78
2	भीलवाडा	491	263	255	179	181
3	जोधपुर	151	106	90	61	60
4	कोटा	359	220	199	23	13
5	जालोर	350	240	220	184	152
6	सीकर	180	150	101	132	132
7	भरतपुर	503	258	198	145	132
8	श्रीगंगानगर	110	87	70	0	0
9	उदयपुर	261	186	172	110	57
	योग	2660	1655	1400	916	805

62 प्रतिशत चयनित लाभान्वित कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया एवं 84 प्रतिशत चयनित प्रशिक्षित कृषकों को प्रशिक्षण के दौरान बीज उत्पादन सम्बन्धी साहित्य उपलब्ध कराया गया एवं 55 प्रतिशत चयनित प्रशिक्षण लाभान्वित कृषकों को प्रशिक्षण के पश्चात परीक्षा ली गई। उसके पश्चात 4 प्रतिशत लाभान्वित प्रशिक्षण प्राप्त कृषकों को अच्छा सीखने हेतु पुरस्कार दिया गया ।

सीकर खण्ड के कृषकों में सबसे अधिक 83 प्रतिशत, जोधपुर खण्ड में 70 प्रतिशत, जालौर खण्ड में 60 प्रतिशत एवं उदयपुर खण्ड में 71 प्रतिशत, श्रीगंगानगर खण्ड में 69 एवं 55 से 60 प्रतिशत कृषकों में जयपुर, भीलवाडा, भरतपुर खण्ड को ही प्रशिक्षण दिया गया ।

भीलवाडा, कोटा, जालौर, उदयपुर खण्ड के 90 प्रतिशत कृषकों को प्रशिक्षण के दोरान साहित्य/पम्पलेट उपलब्ध कराया गया, जबकि जयपुर व सीकर खण्ड के 60 प्रतिश्कात कृषकों को ही साहित्य/पम्पलेट उपलब्ध कराया गया ।

श्रीगंगानगर खण्ड में प्रशिक्षण के दोरान न तो कृषकों की परीक्षा ही ली गई एवं न ही कृषकों को अच्छा सीखने हेतु पुरस्कार दिया गया ।

15–तकनीकी पृथकरण एवं विशेष बातों की जानकारी

सर्वेक्षण के विश्नेषण के आधार पर चयनित मिनिकिट प्राप्त लाभार्थी कृषकों को तकनीकी पृथकरण एवं विशेष बातों की जानकारी एवं उनके उपयोग निम्न तालिका में दर्शाया गया है ।

क्र. सं.	खण्ड	तकनीकी प्रथककरण कृषकों की जानकारी	विशेष बातों की जानकारी एवं कृषक द्वारा उनका उपयोग										
			यदि हां तो कृषक द्वारा अपनाया गया	फसल में उगे दूसरे पौधो, खरपतवारों एवं रोगी पौधों को निकालना		कटाई पूर्व सुनिश्चत करना कि खेत में बीज, वाली किस्म के अलावा अन्य पौधा नहीं था		कटाई गहाई के समय थ्रेसर व खलिहान को अच्छी तरह साफ करना		मिनिकिट की उपज की अलग से कटाई गहाई		उपज का बीज हेतु सुरक्षित भण्डारण	
				कृषक की जानकारी	कृषक द्वारा अपनाया गया	कृषक की जानकारी	कृषक द्वारा अपनाया गया	कृषक की जानकारी	कृषक द्वारा अपनाया गया	कृषक की जानकारी	कृषक द्वारा अपनाया गया	कृषकों को जानकारी	कृषक द्वारा अपनाया गया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	जयपुर	31	27	190	173	103	85	230	225	206	141	227	95
2	भीलवाडा	176	144	332	293	287	195	391	357	302	269	263	213
3	जोधपुर	72	67	112	112	107	106	123	123	116	112	109	95
4	कोटा	61	39	277	173	203	159	259	224	245	209	172	127
5	जालोर	156	132	274	268	268	258	271	244	267	240	263	199
6	सीकर	80	66	161	134	138	116	172	157	163	143	152	46
7	भरतपुर	65	46	317	279	255	229	318	256	286	239	224	116

8	गंगानगर	69	27	104	98	78	48	97	80	100	57	98	45
9	उदयपुर	80	68	251	202	196	173	209	175	203	157	171	145
	योग	790	616	2018	1732	1635	1369	2070	1841	1888	1567	1679	1081

मिनिकिट प्राप्त चयनित लाभार्थी कृषकों में तकनीकी प्रथककरण की जानकारी केवल 30 प्रतिशत कृषकों को ही है । उनमें से केवलतकनीकी पथकरण जानकारी प्राप्त चयनित कृषकों में से 78 प्रतिशत द्वारा ही अपनाई गई है ।

- चयनित मिनिकिट प्राप्त कृषकों में से फसल में उगे दूसरे पौधो, खरपतवार एवं रीगों की पौधो को निकालने की 76 प्रतिशत को जानकारी है । जानकारी कृषकों में से केवल 86 प्रतिशत कृषकों द्वारा इस विधि को अपनाई गई ।
- चयनित मिनिकिट प्राप्त कृषकों में से कटाई पूर्व सुनिश्चित करना कि खेत में बीज वाली किस्म के अलावा अन्य पौधा नहीं होना चाहिये कि जानकारी 61 प्रतिशत कृषकों को थी उनमें से केवल 84 प्रतिशत चयनित लाभार्थी कृषकों द्वारा विधि को अपनाया गया ।
- 78 प्रतिशत चयनित लाभार्थी कृषकों को कटाई, गहाई के समय थ्रेशर व खलिहान को अच्छी तरह साफ करना की विधि जानकारी थी एवं इन कृषकों में से 89 प्रतिशत कृषकों द्वारा इस विधि को अपनाया गया ।
- मिनिकिट की उपज की अलग अलग कटाई करने की जानकारी 71 प्रतिशत चयनित लाभार्थी कृषकों को ही थी उनमें से 83 प्रतिशत कृषकों द्वारा मिनिकिट उपज की कटाई अलग से कराई गई
- उपज का बीज हेतु सुरक्षित भण्डार की व्यवस्था हेतु चयनित लाभार्थी कृषकों में केवल 60 प्रतिशत कृषकों को ही थी उनमें से केवल 64 प्रतिशत कृषकों द्वारा बीजों को सुरक्षित भन्डार में रखनें हेतु भन्डार की व्यवस्था की गई ।

16–मिनिकिट से उपज को आगामी वर्ष में बुवाई के काम में लेना

कुल 2582 चयनित कृषकों द्वारा मिनिकिट बीज को बोया गया । सर्वेक्षण के विश्लेषण के आधार पर उपज का उपयोग के सम्बन्ध के आंकडे निम्नानुसार है :–

क्र. सं.	खण्ड	बुवाई किये गये मिनिकिट	क्या कृषक द्वारा मिनिकिट से उपज को आगामी वर्ष में बंवाई हेतु कार्य में लिया जावेगा ।	यदि हां तो क्या वह यह बीज अन्य कृषकों को भी उपलब्ध करायेगा		यदि नहीं तो कारण			
				हां.	नहीं	प्राप्त उपज से सतुष्ट नहीं	अन्य उपलब्ध किस्म की पैदावार अधिक है	सम्बन्धित फसल नहीं बोयेगा	अन्य
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
1	जयपुर	244	95	84	11	0	1	0	10
2	भीलवाडा	465	202	160	42	8	6	9	19
3	जोधपुर	151	78	63	15	2	1	0	12
4	कोटा	344	121	80	41	11	8	11	11
5	जालोर	343	189	100	89	30	22	26	11
6	सीकर	179	46	32	14	4	2	3	5
7	भरतपुर	489	112	93	19	7	3	1	8
8	श्रीगंगानगर	110	42	36	6	1	1	0	4
9	उदयपुर	257	169	129	40	14	3	4	19
	योग	2582	1054	777	277	77	47	54	99

मिनिकिट बीज बोय गये कृषकों द्वारा मिनिकिट से उपज को आगामी वर्ष में 41 प्रतिशत कृषकों द्वारा ही काम में लिया जावेगा ।

1. अगले वर्ष बुवाई हेतु कार्य मे लेने लेने वाले कृषकों में से 74 प्रतिशत कृषकों द्वारा मिनिकिट से प्राप्त बीज को अन्य कृषकों को उपलब्ध कराया जावेगा एवं 76 प्रतिशत कृषकों द्वारा अन्य कृषकों को बीज उपलब्ध नहीं कराया जावेगा, जिसके प्रमुख कारण :–

- 28 प्रतिशत कृषक मिनिकिट बीज की उपज से सतुष्ट नहीं है ।
- 17 प्रतिशत कृषकों की अन्य किस्म की उपलब्ध उपज की पैदावार अधिक है ।

- 19 प्रतिशत कृषक सम्बन्धित फसल नहीं बोयेगा ।
- 35 प्रतिशत कृषक अन्य कारणों से बीज अन्य कृषकों को उपलब्ध नही करायेगें ।

17—सुझाव

1. मिनिकिट बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित की जावे ।
2. मिनिकिट समय पर वितरण किया जावे ।
3. मिनिकिट वितरण / बुवाई से एक माह पूर्व प्रशिक्षण दिया जावे ।
4. मिनिकिट लाभान्वित सभी कृषकों को प्रशिक्षण देना सुनिश्चित किया जावे।
5. चना जगन्नाथ किस्म एवं सरसों लक्ष्मी किस्म के बीज आसानी से उपलब्ध करवाया जावे ।